GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
DEPARTMENT OF FORESTS & WILDLIFE,
A-BLOCK, 2ND FLOOR, VIKAS BHAWAN,
IP ESTATE, NEW DELHI-110002

F.1(2826)/Legal/HQ/25-26/ 2994 - 3026 Date: 02.06.2026

CIRCULAR

Subject: Compliance of order dated 06.05.2026 passed by the Hon'ble High Court of Delhi in CONT.CAS (C) 272/2026 titled *Bhavreen Kandhari vs. Vijay Kumar Bidhuri & Ors.* regarding stay of SOP dated 02.05.2025.

Kind attention is invited to the Gazette Notification dated 02.05.2025 titled *"Standard Operating Procedure for dealing with Tending and Pruning of Tree(s) under Section 33 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994,"* issued by the Department of Forests & Wildlife, GNCTD.

The Hon'ble High Court of Delhi, vide order dated 06.05.2026 passed in CONT.CAS (C) 272/2026 titled *Bhavreen Kandhari vs. Vijay Kumar Bidhuri & Ors.*, has stayed the operation of the following provisions contained in the aforesaid SOP till the next date of hearing i.e. 20.07.2026:

> *"2. No permission will be required from the Tree Officer, for general tending and light pruning where branches to be pruned are having girth less than 15.7cm. Photographs of such pruning will be uploaded on theeforest portal.*
>
> *3. If the tree(s) for which pruning is required is standing in public spaces like road, footpath, street, park etc of MCD/ NDMC/ DDA/ PWD/ CPWD/ASI/Delhi Cantt etc or in building/premise of any government agency and is posing danger to life, property or traffic, then such agencies can proceed for tending/light pruning themselves, irrespective of the girth, in supervision of their senior horticulture officer and inform to the Tree Officer with geo-referenced before and after photographs/ video of such tree(s) in harmony with provisions of Section 8 of the DPTA 1994."*

"In this view of the matter, the SoP dated 02.05.2025 permitting as aforesaid shall remain stayed till the next date of hearing."

The Hon'ble Court has, inter alia, observed that the aforesaid provisions are contrary to the judgment dated 29.05.2023 passed in W.P.(C) 2317/2023 and accordingly directed that the said provisions shall remain stayed till the next date of hearing.

In view of the aforesaid directions of the Hon'ble High Court, the contents of the order dated 06.05.2026 are hereby brought to the notice of all concerned for information, necessary action and strict compliance. It is requested that no action be taken in terms of the stayed provisions contained in para 2 and para 3 of the SOP dated 02.05.2025 until further orders of the Hon'ble Court.

This issues with the approval of the competent authority.

Deputy Conservator of Forests (P&M)

Encl:

1. Order dated 06.05.2026 passed by the Hon'ble High Court of Delhi in CONT.CAS (C) 272/2026 titled Bhavreen Kandhari vs. Vijay Kumar Bidhuri & Ors.
2. Standard Operating Procedure for dealing with Tending and Pruning of Tree(s) under Section 33 of the 'Delhi Preservation of Trees Act, 1994', 2025

To,

1. The Commissioner of Police, Delhi Police, Jai Singh Road, New Delhi-110001.
2. The Vice Chairman, Delhi Development Authority (DDA), Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023.
3. The Commissioner, Municipal Corporation of Delhi (MCD), Dr. S.P. Mukherjee Civic Centre, J.L.N. Marg, New Delhi-110002.
4. The Chairperson, New Delhi Municipal Council (NDMC), Palika Kendra, Parliament Street, New Delhi-110001.
5. The Principal Secretary, Public Works Department (PWD), GNCTD, MSO Building, I.P. Estate, New Delhi-110002.

6. The Chief Executive Officer, Delhi Parks and Garden Society, Delhi Secretariat, New Delhi.
7. The Chairman, National Highways Authority of India (NHAI), Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075.
8. The Director General (Works), Central Public Works Department (CPWD), Nirman Bhawan, New Delhi-110011.
9. The Chief Executive Officer, Delhi Jal Board (DJB), Varunalaya, Jhandewalan, New Delhi.
10. The Director (Horticulture), Environment Department, GNCTD, I.P. Estate, New Delhi.
11. The Chairman-cum-Managing Director, NTPC Limited, NTPC Bhawan, Lodhi Road, New Delhi-110003.
12. The Chief Executive Officer, Delhi Cantonment Board, Delhi-110010.
13. The Managing Director, Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), Metro Bhawan, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
14. The Chairman-cum-Managing Director, Delhi Transport Corporation (DTC), I.P. Estate, New Delhi-110002.
15. The Chairman-cum-Managing Director, Delhi State Industrial and Infrastructure Development Corporation (DSIIDC), Wazirpur Industrial Area, Delhi-110052.
16. The Managing Director, BSES Rajdhani Power Limited (BRPL), BSES Bhawan, Nehru Place, New Delhi-110019.
17. The Secretary, Directorate of Higher Education, GNCTD, Pitampura, Delhi-110034.
18. The Director, Directorate of Education, GNCTD, Delhi-110054.
19. The Chief Executive Officer, Delhi Urban Shelter Improvement Board (DUSIB), ITO, New Delhi.
20. The General Manager, Northern Railway / Divisional Engineer (Horticulture), Northern Railway, Baroda House, New Delhi.
21. The Chief Engineer, Irrigation & Flood Control Department, GNCTD.
22. The Chief Executive Officer / Managing Director, Tata Power Delhi Distribution Limited (TPDDL), Delhi.
23. All District Magistrates of Delhi.

24. All Deputy Commissioners of Police (Districts), Delhi.
25. The Land and Development Officer, Ministry of Housing & Urban Affairs, Nirman Bhawan, New Delhi-110001.
26. All Principal Secretaries/Secretaries/Heads of Departments, Government of NCT of Delhi.
27. IT Cell, Department of Forests & Wildlife, GNCTD, with the request to upload the Circular on the Departmental website.

Copy for information to:

1. Secretary to Principal Secretary (Environment & Forests), GNCTD.
2. PCCF & HoD, Department of Forests & Wildlife, GNCTD.
3. CCF (A), Department of Forests & Wildlife, GNCTD.
4. CCF, Department of Forests & Wildlife, GNCTD.
5. All DCFs/Tree Officers, Department of Forests & Wildlife, GNCTD.
6. Guard File.

Deputy Conservator of Forests (P&M)

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33002/99 REGD. No. D. L.-33002/99

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

दिल्ली राजपत्र
Delhi Gazette

एस.जी.-डी.एल.-अ.-22052025-263286
SG-DL-E-22052025-263286

असाधारण
EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 155]	दिल्ली, सोमवार, मई 19, 2025/वैशाख 29, 1947	[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 58
No. 155]	DELHI, MONDAY, MAY 19, 2025/VAISAKHA 29, 1947	[N. C. T. D. No. 58

भाग IV
PART IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वन एवं वन्यजीव विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 2 मई, 2025

फा0 सं0 8(204)/वन/मुख्यालय/पीएलजी–II/डीपीटीए/2022–23/1424.—दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, जनहित में, एतद्द्वारा, "दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 के अंतर्गत वृक्षों की देखभाल एवं छंटाई हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)" अधिसूचित करती है।

दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई हेतु मानक संचालन प्रक्रिया।

दिल्ली विश्व के सबसे हरित राजधानी शहरों में से एक है, जिसमें बड़े क्षेत्र में मार्ग वृक्षारोपण, रिज फॉरेस्ट, जैव विविधता पार्क, बाढ़ समभूमि में वृक्षारोपण, शहर के आवासीय क्षेत्रों में विशाल पार्क, नगर वन आदि हैं। सामुदायिक भागीदारी सहित केंद्र और राज्य सरकारों की हरित एजेंसियों के निष्ठावान और निरंतर प्रयासों के कारण यह हरित आवरण लगातार बढ़ रहा है।

दिल्ली के विकास पथ में, हरित क्षेत्र का विकास हमेशा प्राथमिकता रहा है और इस संबंध में वास्तविक रूप से प्रयास किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप शहर में हरित क्षेत्रों का विस्तार हुआ है। हरित क्षेत्रों में इस वृद्धि के साथ, वृक्षों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए एक कुशल और पूर्णत: सुरक्षित प्रणाली की निरंतर और सतत आवश्यकता है, विशेष रूप से

सार्वजनिक स्थानों जैसे कि सड़कों, पार्कों, आवासीय/वाणिज्यिक/संस्थागत क्षेत्रों, विरासत भवनों आदि में, जहाँ नियमित रूप से बड़ी संख्या में लोग आते–जाते हैं/रहते हैं।

वृक्षों की छंटाई एक बागवानी और वन– संवर्धन पद्धति है, जिसमें वृक्ष के जीवित या मृत भागों अथवा शाखाओं को काटना या हटाना शामिल है, ताकि वांछित भागों की वृद्धि की शक्ति में सुधार हो, वृक्ष का आकार बेहतर हो तथा/या मृत/टूटी शाखाओं के गिरने के जोखिम को कम किया जा सके, इस प्रकार वृक्ष को बिना नुकसान पहुंचाए सर्वोत्तम वन–संवर्धन पद्धतियों का पालन करके वृक्षों के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके।

वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई न केवल उनके विकास, आकार और विस्तार हेतु महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके अनियंत्रित और अनियमित प्रसार के कारण जनता के लिए खतरे तथा संकट को कम करने के लिए भी अनिवार्य है। साथ ही, यह आवश्यक गतिविधि क्षेत्र के सौंदर्य तथा जीवन और संपत्ति की सुरक्षा एवं बचाव को बढ़ाती है।

निम्नलिखित कारणों से वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई भी आवश्यक है–

(क) घातक दुर्घटनाओं से बचने के लिए सड़क, रेलवे लाइन, मेट्रो, आरआरटीएस, फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, ट्रैफिक सिगन्ल, संकेतक, मार्गाधिकार आदि के किनारे अवांछनीय और खतरनाक शाखाओं को हटाना, जो मोटर चालकों, चालकों, साइकिल चालकों, पैदल यात्रियों आदि की दृष्टि रेखा में बाधा उत्पन्न करती हैं।

(ख) विद्युत आग और अन्य खतरों से बचने के लिए ऊपरी विद्युत तारों/केबलों से स्वीकार्य दूरी बनाए रखने के लिए वृक्षों की नियमित छंटाई की जानी चाहिए।

(ग) इमारतों, घरों, संपत्तियों आदि को वृक्षों की मृत, लटकी हुई तथा अलग हुई टहनियों/शाखाओं से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई आवश्यक है।

(घ) स्ट्रीट लाइट/हाई मास्ट लाइट को अवरुद्ध करने वाले वृक्षों की शाखाओं को हटाना, जो आसपास रोशनी बनाए रखने के लिए आवश्यक है तथा लोगों की सुरक्षा के लिए भी एक अनिवार्य घटक है।

(ड.) कीटों तथा बीमारियों के आक्रमण की स्थिति में, कीटों तथा बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए मृत या कीट–वाहक टहनियों और शाखाओं को हटाना आवश्यक हो जाता है;

(च) वृक्ष के आधार से निकलने वाली कमजोर शाखाओं और अवांछित टहनियों को हटाने से वृक्ष के स्वस्थ भागों पर नई शाखाओं और फलों की वृद्धि होती है जो पक्षियों, जानवरों के लिए आरक्षित भोजन के रूप में कार्य करते हैं;

(छ) संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई से सूर्य का प्रकाश अधिक मात्रा में आता है, जो विटामिन डी का एक स्रोत है। स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और जैव विविधता को बढ़ाने के लिए वृक्ष के नीचे छोटी झाड़ियों और घासों की वृद्धि के लिए भी सूर्य का प्रकाश आवश्यक है।

(ज) जब वृक्ष कमज़ोर हो जाता है तथा तेज़ हवा की स्थिति का सामना नहीं कर पाता है, तो उसकी देखभाल एवं छंटाई करना ज़रूरी हो जाता है। सघन शाखाओं की छंटाई करने से वृक्ष का वज़न कम हो जाता है। यह विशेष रूप से तब ज़रूरी होता है जब वृक्षों की जड़ों की जकड़ मज़बूत न हों या जब किसी कारण से वृक्ष की जड़ प्रणाली में कोई अवरोध हो या कमज़ोर हो।

लोगों की सुरक्षा एवं बचाव की परम आवश्यकता को देखते हुए, दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम, 1994 के प्रावधान, आशय और उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, विशिष्ट मामलों में वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई हेतु दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 33 के अंतर्गत निहित शक्तियों द्वारा निर्देश जारी करना समीचीन समझती है।

दिल्ली वृक्ष परिरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 33 के अंतर्गत वृक्ष (वृक्षों) की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई के कार्य हेतु निम्नलिखित दिशा–निर्देशों को मानक संचालन प्रक्रिया, 2025 " कहा जाएगा –

1. यदि कोई व्यक्ति/नागरिक एजेंसी/सरकारी एजेंसी/आरडब्लूए/कंपनी/संगठन आदि पाता है कि किसी वृक्ष (वृक्षों) की टहनियाँ/शाखाएँ/कलियां/जड़ें, जिनकी परिधि 15.7 से0मी0 या उससे अधिक है, को ऊपर बताई गई स्थितियों में काटने की आवश्यकता है, तो आवेदक इसकी छटाई के लिए ई–फ़ॉरेस्ट पोर्टल (https://www.dpta.eforest.delhi.gov.in) पर उनकी भू–संदर्भित तस्वीरों (प्रत्येक वृक्ष के लिए अलग से) के साथ संबंधित वृक्ष अधिकारी को अनुमति हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। अनुमति या अन्यथा की सूचना वृक्ष अधिकारी द्वारा आवेदक को उचित प्रक्रिया का पालन करने के पश्चात् पूर्ण आवेदन प्राप्त होने की तिथि से 7 कार्य दिवसों के भीतर दी जाएगी।

2. जहां छंटाई की जाने वाली शाखाएं 15.7 सेमी से कम परिधि की हैं, वहां सामान्य संवर्धनात्मक देखभाल और हल्की छंटाई हेतु वृक्ष अधिकारी से अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी, ऐसी छंटाई की तस्वीरें ई–फ़ॉरेस्ट पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी।

3. यदि वह वृक्ष जिसकी छंटाई अपेक्षित है, एमसीडी/एनडीएमसी/ डीडीए/पीडब्ल्यूडी /सीपीडब्ल्यूडी/एएसआई/दिल्ली कैंट आदि के सार्वजनिक स्थानों जैसे– सड़क, फुटपाथ, गली, पार्क आदि में या किसी सरकारी एजेंसी के भवन/परिसर में लगा हुआ है और जीवन, संपत्ति या यातायात के लिए संकट उत्पन्न कर रहा है, तो ऐसी एजेंसियां परिधि पर ध्यान दिए बिना, अपने वरिष्ठ बागवानी अधिकारी के पर्यवेक्षण में स्वयं संवर्धनात्मक देखभाल/हल्की छंटाई के कार्य को कर सकती हैं तथा डीपीटीए 1994 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुरूप ऐसे वृक्ष (वृक्षों) की भू–संदर्भित पूर्व और पश्चात् की तस्वीरों/वीडियो के साथ वृक्ष अधिकारी को सूचित कर सकती हैं।

सामान्य अनुदेश :

i. वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल एवं छंटाई का कार्य राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार भू–स्वामी/भू–स्वामित्व वाली एजेंसी द्वारा किया जाना है।

ii. यदि आवेदक भू–स्वामी नहीं है तो भू–स्वामी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाना चाहिए।

iii. वन एवं वन्यजीव विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, सीधे तौर पर वृक्षों की संवर्धनात्मक देखभाल या छंटाई नहीं करवाता है, बल्कि उचित निरीक्षण के पश्चात् ही भू–स्वामी/भू–स्वामित्व वाली एजेंसी को वृक्षों की छंटाई की अनुमति देता है।

iv. वृक्ष अधिकारी केवल भू–स्वामी/भू–स्वामित्व वाली एजेंसी द्वारा वन एवं वन्यजीव विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के ई–फ़ॉरेस्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदन स्वीकार करेंगे और किसी अन्य रूप में जमा आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

v. वृक्ष (वृक्षों) की किसी भी तरह की छंटाई वैज्ञानिक तरीके से की जानी चाहिए ताकि इससे वृक्ष (वृक्षों) को नुकसान न पहुंचे। छंटाई का काम बागवानी विशेषज्ञ के पर्यवेक्षण में भू–स्वामित्व वाली एजेंसी द्वारा किया जाना चाहिए।

ये निर्देश इस संबंध में जारी सभी पूर्ववर्ती दिशा–निर्देशों का अधिक्रमण करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,

ए.के. सिंह, प्रधान सचिव (पर्यावरण एवं वन)

अनुलग्नक–I

क. वृक्ष अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र:

आज की तिथि में चार (4) उप वन संरक्षक (डीसीएफ) हैं, जिन्हें वृक्ष अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो वृक्षों की छंटाई के लिए ई–फ़ॉरेस्ट पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदनों के प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करते हैं तथा मामले की योग्यता के अनुसार उचित निरीक्षण के पश्चात् अनुमति प्रदान करते हैं। इस कार्यालय की दिनांक 20.01.2021 की अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र नीचे दी गई तालिका में द'र्शाए गए हैं।

वृक्ष अधिकारी/डीसीएफ का कार्यालय	**कार्यालय का पता**	**राजस्व जिलों का नाम**
उप वन संरक्षक, **मध्य वन प्रभाग** ईमेल–dcfcentral-gnctd@delhi.gov.in	कमला नेहरू रिज, दिल्ली–110007 ।	उत्तर–पूर्व पूर्व शाहदरा मध्य
उप वन संरक्षक, **उत्तरी वन प्रभाग** ईमेल – dcfnorth.gnctd@delhi.gov.in	महात्मा गांधी जलवायु परिवर्तन नियंत्रण संस्थान का परिसर, अलीपुर, बकोली, दिल्ली–110036 ।	उत्तर उत्तर–पश्चिम पश्चिम
उप वन संरक्षक, **पश्चिमी वन प्रभाग** ईमेल – dcfwest.gnctd@gov.in	मंदिर लेन, बिड़ला मंदिर, दिल्ली–110060।	दक्षिण – पश्चिम नई दिल्ली

उप वन संरक्षक, **दक्षिणी वन प्रभाग** ईमेल –dcfsouth.delhi@gov.in	शूटिंग रेंज, तुगलकाबाद, नई दिल्ली–110044 ।	दक्षिण दक्षिण – पूर्व

ख. लकड़ी, अवशेष का निपटान :–

सभी अवशेषों को संस्थाओं/एजेंसियों/सरकारी विभागों द्वारा निकटतम श्मशान घाट पर भेजा जाना आवश्यक है।

DEPARTMENT OF FORESTS & WILDLIFE

NOTIFICATION

Delhi, the 2nd May, 2025

F.8(204)/FOREST/HQ/PLG.-II/DPTA/2022-23/1424.—In exercise of the powers conferred by Section 33 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994, the Government of National Capital Territory of Delhi, in public interest, hereby, notifies "Standard Operating Procedure (SOP) for tending and pruning of trees under Delhi Preservation of Trees Act (DPTA), 1994"

STANDARD OPERATING PROCEDURE FOR TENDING AND PRUNING OF TREES UNDER DELHI PRESERVATION OF TREES ACT, 1994.

Delhi is one of the greenest capital cities in the world with a large area under avenue plantation, ridge forest, biodiversity parks, floodplain plantation, huge parks in residential areas across the city, city forest, etc. This green cover has consistently increased due to sincere and continued efforts of greening agencies of central & state governments including community participation.

In the development path of Delhi, green area development has always been a priority and sincere efforts have been made in this regard resulting in expansion of green spaces in the city. With this growth in green spaces, there is a continuous and sustained need to have an efficient and foolproof system for scientific management of trees particularly in public spaces like roads, parks, residential/ commercial/ institutional areas, heritage buildings etc which are regularly frequented/ inhabited by a large number of people.

The pruning of trees is a horticultural and silvicultural practice, involving cutting of or removing living or dead parts or branches of a tree to improve vigour of growth of desired parts, improve shape of tree and/ or for reducing risk from falling of dead / broken branches, thus to promote scientific management of trees by following the best silvicultural practices without damaging the tree.

Tending and pruning of trees is not only important for its growth, shape, size but it is also imperative for minimising threat and danger to the public due to its uncontrolled and unregulated spread. At the same time, this essential activity enhances the aesthetics of the area and safety & security of life and property.

Tending and pruning of trees is also essential due to following reasons-

(a) Removal of undesirable and dangerous branches along the road, railway line, metro, RRTS, footpath, cycle track, traffic lights, signages, right of way etc obscuring line of sight of motorists, driver, cyclists, pedestrians etc to avoid fatal accidents.

(b) Regular pruning of trees to maintain acceptable clearance from overhead electric wires/ cables to avoid electrical fire and other hazards.

(c) Tending and pruning of trees is essential to save buildings, houses, properties etc from damage which can be caused by dead, hanging and detached twigs / branches of trees.

(d) Removing the branches of trees blocking street lights/high mast light which is necessary to maintain illumination around it and also an essential component for safety and security of people.

(e) In case of invasion of pests and diseases, removal of dead or insect-carrying twigs and branches becomes essential in order to eliminate proliferation of pests and diseases;

(f) Removal of weak branches and undesirable shoots originating from the tree base allow growth of new branches and fruits on healthy parts of the tree which act as reserve foods for birds, animals;

(g) Tending and pruning allow penetration of more sunlight, a source of vitamin D. Sunlight is also essential for the growth of small shrubs and grasses beneath a tree to promote a healthy ecosystem and add to the biodiversity.

(h) Tending and pruning becomes inevitable when a tree becomes weak and can't withstand strong wind conditions. Pruning of overcrowded branches reduces the weight of the tree. This is essential particularly when the root anchorage of the tree is not firm or when the root system is disturbed or weakened due to any reason.

In view of absolute necessity for safety and security of the people, keeping in mind the provision, intent and purpose of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994, Government of National Capital Territory of Delhi considers it expedient to issue directions by the powers vested in it under Section 33 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994 for tending and pruning of trees in specific cases.

The following directions shall be called as "**Standard Operating Procedure for dealing with Tending and Pruning of Tree(s) under section 33 of the *'Delhi Preservation of Trees Act, 1994'*, 2025**"-

1. If any Individual/ civic agency/ government agency/ RWA/ company/ organisation etc finds that twigs/branches/shoots/roots of any tree(s), which are having girth equal to or more than 15.7 cm, are required to be pruned in circumstances enumerated above, then applicant can apply online for the pruning of same on e-Forest portal (***https://www.dpta.eforest.delhi.gov.in***) along with their geo-referenced photographs(for each tree separately) to the concerned Tree Officer for the permission. Permission or otherwise will be communicated by tree officer to the applicant within 7 working days from the date of receipt of complete application after following due process.
2. No permission will be required from the Tree Officer, for general tending and light pruning where branches to be pruned are having girth less than 15.7cm. Photographs of such pruning will be uploaded on the e-forest portal.
3. If the tree(s) for which pruning is required is standing in public spaces like road, footpath, street, park etc of MCD/ NDMC/ DDA/ PWD/ CPWD/ASI/Delhi Cantt etc or in building/premise of any government agency and is posing danger to life, property or traffic, then such agencies can proceed for tending/light pruning themselves, irrespective of the girth, in supervision of their senior horticulture officer and inform to the Tree Officer with geo-referenced before and after photographs/ video of such tree(s) in harmony with provisions of Section 8 of the DPTA 1994.

General Instructions:

i. Tending and Pruning of Trees has to be done by the land owner/ land-owning agency as per guideline formulated by the State Government.

ii. NOC from the land owner(s), if applicant is not the land owner.

iii. The Department of Forests & Wildlife, GNCTD does not get the trees tended or pruned directly but only accords the tree pruning permission to the land - owner / land-owning agency after due inspection.

iv. The Tree Officer will accept application(s) only through e-forest portal of the Department of Forests & Wildlife, GNCTD by the land owner / land owning agency and application submitted in any other form will not be accepted.

v. Any kind of pruning of the tree(s) must be carried out in a scientific manner so that it does not damage the tree(s). Pruning must be done by the land-owning agency in the expert supervision of a Horticulturist.

These directions shall supersede all earlier guidelines / directions issued in this regard.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi

A.K. SINGH, Principal Secretary (Environment & Forests)

ANNEXURE-I

A. JURISDICTION OF TREE OFFICERS:

As on date there are four (4) Deputy Conservator of Forests (DCFs), who are designated as Tree Officers, to facilitate processing of online applications on e-Forest portal for tree pruning and to accord permissions for the same, after due inspections, as per merit of the case. As per this office Notification dated 20.01.2021, their respective jurisdictions in Delhi are shown in table below.

Office of Tree Officers / DCFs	**Office Address**	**Name of Revenue Districts**
Deputy Conservator of Forests, **Central Forest**	Kamla Nehru Ridge,	North - East

Division Email - dcfcentral-gnctd@delhi.gov.in	Delhi-110007.	East Shahdara Central
Deputy Conservator of Forests, **North Forest Division** Email - dcfnorth.gnctd@delhi.gov.in	Campus of MGICCC, Alipur, Bakoli, Delhi-110036.	North North - West West
Deputy Conservator of Forests, **West Forest Division** Email - dcfwest.gnctd@gov.in	Mandir Lane, Birla Mandir, Delhi-110060.	South - West New Delhi
Deputy Conservator of Forests, **South Forest Division** Email - dcfsouth.delhi@gov.in	Shooting Range, Tughlakabad, New Delhi-110044.	South South - East

B. DISPOSAL OF TIMBER, LOPS & TOPS:-

All lops & tops are required to be sent to nearest crematorium by the institutions / agencies / govt. departments.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. GORAKHA NATH YADAVA Digitally signed by GORAKHA NATH YADAVA Date: 2025.05.22 14:33:41 +05'30'

$~85

* **IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI**

\+ CONT.CAS(C) 272/2026

BHAVREEN KANDHARI ....Petitioner

Through:

versus

VIJAY KUMAR BIDHURI AND ORS. .....Respondents

Through: Ms. Vaishali Gupta, PC, Civil, GNCTD, Adv.

CORAM:
HON'BLE MR. JUSTICE JASMEET SINGH

ORDER

% **06.05.2026**

1. Ms. Gupta, learned counsel for the respondent, requests for some accommodation for filing further affidavit.

2. During the course of hearing, Mr. Prasad, learned counsel for the petitioner, has handed over a copy of the judgment dated 29.05.2023 passed in ***W.P(C) 2317/2023*** titled ***Prof. Dr. Sanjeev Bagai & Ors. vs. Department of Environment, Govt. NCT of Delhi & Ors.*** and more particularly on paragraph No. 14, which reads as under:-

> *"14. Under the Act there is no sanction for the 15.7 cms girth of a tree branch to be cut. Therefore, this figure is incongruous with the statutory requirements as mandated under sections 8 and 9 of the DPT Act. The so-called permission granted under the Guidelines seek to over-reach the statute. The Guidelines, are in conflict with the DPT Act, they are arbitrary and illegal. Consequently, the permission for pruning, presumed to be or granted under the Guidelines would be of no consequence and*

This is a digitally signed order.
The authenticity of the order can be re-verified from Delhi High Court Order Portal by scanning the QR code shown above.
The Order is downloaded from the DHC Server on 02/06/2026 at 17:52:38

shall always be nonest. Therefore, the Guidelines permitting regular pruning of branches of trees with girth up to 15.7 cm without specific prior permission of the Tree Officer are hereby set aside. The only permission that can be granted for pruning, etc. is under section 9 of the Act."

3. In contradistinction, he draws my attention to a notification dated 02.05.2025 issued by office of respondent No. 1 namely ***Standard Operating Procedure for dealing with Tending and Pruning of Tree(s) under Section 33 of the 'Delhi Preservation of Trees Act, 1994', 2025("SoP")*** wherein it has been directed as under:-

"2. No permission will be required from the Tree Officer, for general tending and light pruning where branches to be pruned are having girth less than 15.7cm. Photographs of such pruning will be uploaded on thee-forest portal.

3. If the tree(s) for which pruning is required is standing in public spaces like road, footpath, street, park etc of MCD/ NDMC/ DDA/ PWD/ CPWD/ASI/Delhi Cantt etc or in building/premise of any government agency and is posing danger to life, property or traffic, then such agencies can proceed for tending/light pruning themselves, irrespective of the girth, in supervision of their senior horticulture officer and inform to the Tree Officer with geo-referenced before and after photographs/ video of such tree(s) in harmony with

This is a digitally signed order.
The authenticity of the order can be re-verified from Delhi High Court Order Portal by scanning the QR code shown above.
The Order is downloaded from the DHC Server on 02/06/2026 at 17:52:38

provisions of Section 8 of the DPTA 1994."

4. This part of the notification is in teeth of the judgment dated 29.05.2023 which has attained finality and is binding on the respondents.

5. By virtue of the said notification, the respondent is undoing the judgment dated 29.05.2023 which to my mind cannot be so done.

6. In this view of the matter, the SoP dated 02.05.2025 permitting as aforesaid shall remain stayed till the next date of hearing.

7. Let the response affidavit be filed by Ms. Gupta, learned counsel for the respondents, in the within 4 weeks from today.

8. List on 20.07.2026.

JASMEET SINGH, J

MAY 6, 2026/AS

This is a digitally signed order.
The authenticity of the order can be re-verified from Delhi High Court Order Portal by scanning the QR code shown above.
The Order is downloaded from the DHC Server on 02/06/2026 at 17:52:38